

अतिसंधि स्त्री. (तत्.) सामर्थ्य से अधिक सहायता देने की प्रतिज्ञा।

अतिसंध्या स्त्री (तत्.) धुंधलका, सूर्योदय के एकदम पहले और सूर्यास्त के एकदम बाद का समय।

अतिसंवेदन पुं. (तत्.) 1. अत्यधिक संवेदनशील या सुग्राही होने की स्थिति 2. दर्द, ताप, शीत, स्पर्श आदि की तीव्र अनुभूति hyperastheisa

अतिसक्ति स्त्री. (तत्.) अत्यधिक अनुरक्ति, विशेष आसक्ति।

अतिसक्रिय वि. (तत्.) असामान्य रूप से या आवश्यकता से कहीं अधिक सक्रिय।

अतिसर वि. (तत्.) 1. अतिक्रमण करने वाला 2. सबसे आगे बढ़ जाने वाला पुं. (तत्.) प्रयास, चेष्टा, प्रयत्न।

अतिसरलीकरण पुं. (तत्.) 1. किसी सिद्धांत या प्रक्रिया को अधिक सुगम या सुकर बनाना 2. किसी सिद्धांत को इतना सरल बनाना कि उसका मूल स्वरूप ही विरूपित सा हो जाए।

अतिसर्ग पुं. (तत्.) 1. पुरस्कार रूप में देना, आज्ञा 2. इच्छानुसार कार्य करने की अनुमति देना 3. अलग करना वि. (तत्.) स्थायी, नित्य; मुक्त।

अतिसर्जन पुं. (तत्.) 1. दान देना, दानशीलता, त्याग 2. धोखा, वंचना 3. पार्थक्य, बिलगाव 4. वध 5. आवश्यकता से अधिक रचना या निर्माण करना।

अतिसर्पण पुं. (तत्.) 1. तेजी से चलना 2. गर्भाशय में बच्चे का हिलना डुलना।

अतिसांवत्सर वि. (तत्.) एक वर्ष से अधिक टिकने या चलने वाला।

अतिसामान्य वि. (तत्.) वह बात जो इतने सामान्य रूप में कही जाए कि सब पर पूरी न घटे, बहुत साधारण, मामूली, बहुत कम महत्वपूर्ण, बहुत सरल।

अतिसार पुं. (तत्.) 1. आंतों का एक संक्रामक रोग जिसमें उनमें सूजन, घाव हो जाते हैं और श्लेष्मल दस्त आते हैं dysentery 2. दस्त, प्रवाहिका। diarrhoea

अतिसारकी वि. (तत्.) अतिसार से पीड़ित, अतिसार का रोगी।

अतिसारी वि. (तत्.) दे. अतिसारकी।

अतिसी स्त्री. (तत्.) अलसी, तीक्ष्णी।

अतिसुधार वि. (देश.) बहुत अधिक सँवारा हुआ, सुधरने या सुधारने की बहुत अच्छी प्रक्रिया अथवा अवांछित रूप से अधिक।

अतिसूक्ष्मदर्शी पुं. (तत्.) भौ. अत्यंत सूक्ष्म तत्वों या कणों तक को देखने की क्षमता रखने वाला सूक्ष्मदर्शी ultra microscope

अतिसौरभ वि. (तत्.) अत्यधिक सुगंध वाला पुं. 1. बहुत अधिक सुगंध 2. आम।

अतिस्थूल वि. (तत्.) 1. बहुत मोटा, बड़ी काया वाला 2. मोटी बुद्धि वाला, मूर्ख।

अतिस्पर्श पुं. (तत्.) 1. व्याकरण में अर्द्ध स्वर और स्वर की एक संज्ञा, उच्चारण में जीभ और तालु का अल्प स्पर्श 2. वि. कंजूस, कमीना

अतिस्फीति स्त्री. (तत्.) अत्यधिक मुद्रास्फीति। विलो. अवस्फीति।

अतिस्वप्न पुं. (तत्.) 1. बहुत अधिक स्वप्न 2. अत्यधिक निद्रा।

अतिहत वि. (तत्.) 1. पूर्णतया नष्ट किया हुआ 2. अचल, स्थिर।

अतिहसित पुं. (तत्.) हास के छह भेदों में से एक, जिसमें हँसने वाला ताली बजाए, अस्पष्ट वचन बोले, उसका शरीर काँपे और आँख में आँसू आ जाए।

अतीन्द्रिय वि. (तत्.) 1. इंद्रियातीत, जिसका ज्ञान इंद्रियों से न हो, जो इंद्रियों की पहुंच से बाहर हो, पारलौकिक 2. अगोचर।

अतीन्द्रिय वाद वि. (तत्.) इंद्रियों के अलावा परमात्मा की सत्ता या अस्तित्व को मानने वाला संप्रदाय, परंपरा या शाखा, अतीन्द्रिय अनुभवों और अतीन्द्रिय ज्ञान की वास्तविकता का प्रतिपादक मत या सिद्धांत।